प्रदेश में लगातार हो रही बारिश और जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री सभी अधिकारियों एवं जिला सचिवों को जिलों का दौरा करने तथा आपदा राहत के त्वरित इंतजाम करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि, जान-माल के नुकसान से बचाना एवं सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित राहत पहुंचाने के निर्देश दिए

मु.मंत्री भजनाल शर्मा ने आपदा प्रबंधन की समीक्षा बैठक में कहा कि अतिवृष्टि की स्थिति का जायजा लेने के लिए प्रभारी सचिव जिलों का दौरा करें

- **मुख्यमंत्री ने विभागों की संयुक्त टीमें गठित करने तथा बचाव एवं राहत कार्य में गति लाने के निर्देश दिये।**

जयपुर, 11 अगस्त (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों के संबंध में मुख्यमंत्री कार्यालय में उच्चाधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में हर संभव और त्वरित राहत पहुंचाने तथा बचाव-राहत कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आपदा प्रबंधन गतिविधियों को अधिक सक्रिय बनाने के लिए निर्देश दिए।

शर्मा ने बैठक में निर्देश दिए कि प्रभारी सचिव अपने प्रभार वाले जिलों का दौरा कर अतिवृष्टि की स्थिति का जायजा लें और जिला प्रशासन के माध्यम से प्रभावित क्षेत्रों में तुरंत राहत पहुंचाएं। मुख्यमंत्री ने सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस प्रशासन की पूर्ण सतर्कता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि संबंधित विभागों की संयुक्त टीमें गठित कर तत्काल राहत कार्यों में गति लाई जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बचाव व राहत कार्यों को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर रहे एवं जलभराव क्षेत्रों का दौरा कर पानी निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करें तथा प्रभावित क्षेत्रों में पानी, बिजली सहित बुनियादी सुविधाओं की शीघ्र बहाली की जाए। साथ ही उन्होंने भोजन, पेयजल, दवाइयों की तत्काल व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि मौसमी बीमारियों की रोकथाम हेतु मुस्तैदी से कार्य करें एवं आमजन में जागरूकता हेतु एडवाइजरी जारी की जाए।

शर्मा ने कहा कि राज्य एवं जिला स्तरीय आपदा प्रबंधन कंट्रोल रूम की व्यवस्था को चाक-चौबंद रखा जाए। साथ ही, मौसम विभाग के आने वाले दिनों के पूर्वानुमान के आधार पर आवश्यक ऐहतियाती उपाय किए जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि क्षतिग्रस्त बांधों और नहरों की स्थिति की लगातार निगरानी की जाए।

बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक यू.आर.साहू, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव आपदा प्रबंधन आनन्द कुमार, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव नगरीय विकास एवं आवासन टी. रविकान्त, आयुक्त जयपुर विकास प्राधिकरण मंजू राजपाल, चैयरमैन डिस्कॉम्स भानू प्रकाश एटूरू सहित आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

प्रदेश को बनायेंगे ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर : भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री ने भीलवाड़ा नगर निगम सहित बजट घोषणाओं के लिए आभार सभा को म्संबोधित किया

- **मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए हर क्षेत्र-हर वर्ग सौगातें दी गई हैं।**

जयपुर, 11 अगस्त (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने निवास पर भीलवाड़ा नगर परिषद को नगर निगम में क्रमोन्नत करने सहित भीलवाड़ा और जहाजपुर विधानसभा क्षेत्र से संबंधित बजट घोषणाओं के लिए आयोजित आभार सभा को संबोधित करते हुए कहा कि, राज्य सरकार समाज के सभी वर्गों की आकांक्षाओं के अनुरूप विकसित राजस्थान के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि परिवर्तित राज्य बजट 2024-25 विकसित राजस्थान की धुरी हैं। इसमें प्रदेशवासियों से प्राप्त विभिन्न सुझावों को शामिल करते हुए राज्य के विकास का रोडमैप तैयार किया गया है तथा हर क्षेत्र और हर वर्ग को सौगातें दी गई हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के विकास के लिए बिजली और पानी सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकताएं होती है। इसलिए हमारी सरकार इन क्षेत्रों के लिए प्राथमिकता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य की ऊर्जा जरूरतों को ध्यान में रखते हुए नवीकरणीय ऊर्जा को बढावा देने एवं ऊर्जा उत्पादक इकाइयां स्थापित करने के लिए विभिन्न एमओयू किये गये हैं। हमारा लक्ष्य वर्ष 2027 तक राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है। शर्मा ने कहा कि प्रदेशवासियों को शुद्ध पेयजल एवं सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने के लिए हमारी सरकार पूर्वी राजस्थान के लिए ईआरसीपी के साथ ही शेखावाटी के लिए यमुना जल समझौता तथा दक्षिण राजस्थान के जिलों के लिए देवास परियोजना का धरातल पर क्रियान्यवन कर रही है। उन्होंने कहा कि बिजली-पानी की पर्याप्त उपलब्धता से राज्य में कृषि, उद्योग एवं पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा जिससे विकसित राजस्थान का सपना साकार होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भीलवाड़ा शहर का विस्तार तेजी से हो रहा है। हमने भविष्य की जरूरतों को समझते हुए भीलवाड़ा नगर परिषद को नगर निगम में क्रमोन्नत करने का फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि परिवर्तित राज्य बजट में भीलवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं। इनमें भीलवाड़ा में 132 केवी जीएसएस एवं बीएसपी नगर में 33/11 केवी जीएसएस का निर्माण तथा 8 करोड़ रुपये से भीलवाड़ा-देवगढ़ वाया पांसल, पिथास बागोर, बोराणा जगदीश सड़क चौड़ाईकरण कार्य शामिल हैं। शर्मा ने कहा कि भीलवाड़ा में टैक्सटाइल पार्क स्थापित करने के साथ ही 12 करोड़ रुपये से मानसरोवर झील के विकास कार्य भी करवाये जायेंगे। इसके अतिरिक्त उदयपुर, चित्तौड़गढ़ एवं भीलवाड़ा में पेयजल तथा सिंचाई के लिए 30 करोड़ रुपये की परियोजना एवं जयपुर-भीलवाड़ा ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे के निर्माण की डीपीआर बनायी जानी भी प्रस्तावित है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जहाजपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए भी राज्य बजट में कई प्रावधान किए गए है। लगभग 71 करोड़ रुपये की लागत से क्षेत्र की विभिन्न सड़कों का निर्माण उन्नयन एवं चोड़ाईकरण कार्य कराये जायेंगे। साथ ही पीपलूंद में औद्योगिक क्षेत्र तथा पण्डेर में औद्योगिक पार्क स्थापित किया जायेगा। शर्मा ने कहा कि जहाजपुर-शाहपुरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र को उप जिला चिकित्सालय में तथा अमरगढ़ एवं सरदार नगर (बनेड़ा) के उप स्वास्थ्य केन्द्रों को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में क्रमोन्नत किया जायेगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए जहाजपुर-शाहपुरा में कन्या महाविद्यालय, कोटडी में नवीन महाविद्यालय तथा सरसिया में जनजाति बालिका छात्रावास खोला जायेगा। इसके अतिरिक्त गुढ़ा में 33/11 केवी जीएसएस का निर्माण भी करवाया जायेगा।

कार्यक्रम में जहाजपुर और भीलवाड़ा विधानसभा क्षेत्र से आये लोगों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को साफा एवं दुपट्टा पहनाकर उनका अभिनंदन किया एवं शौर्य के प्रतीक के रूप में तलवार भेंट की। इस अवसर पर जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा एवं भीलवाड़ा नगर परिषद के सभापति राकेश पाठक सहित विभिन्न जन प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

'अडानी ग्रुप ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

महीने बाद एक ब्लॉगपोस्ट में आरोप लगाया, सेबी ने अडानी के मॉरीशस और विदेश स्थित फर्जी कंपनियों के कथित अघोषित जाल में आश्चर्यजनक रूप से रुचि नहीं दिखाई है।

अडानी समूह ने अमेरिकी शोध एवं निवेश फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च के नवीनतम आरोपों को दुर्भावनापूर्ण और चुनिंदा सार्वजनिक सूचनाओं से छेड़छाड़ करने वाला बताते हुए रविवार को कहा कि उसका बाजार नियामक सेबी की अध्यक्ष या उनके पति के साथ कोई वाणिज्यिक संबंध नहीं है।

'बांग्लादेश के रणनीतिक द्वीप ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मेरी सत्ता कायम रहती। उन्होंने कहा, लेकिन मैंने अपने देश के लोगों का ख्याल रखा। शेख हसीना ने लोगों से यह भी अपील की कि वह उग्रवादियों के बहकावे में न आएं। गौरतलब है कि मई में हसीना ने बांग्लादेश और म्यांमार के कुछ हिस्सों को विभाजित करके पूर्वी तिमोर की तरह एक ईसाई राज्य बनाने की साजिश का आरोप लगाया था। उन्होंने दावा किया कि अगर वह किसी विदेशी देश को बांग्लादेश में एयरबेस स्थापित करने की अनुमति देती हैं तो उन्हें बेहद आसानी से एक बार फिर पीएम चुन लिया जाएगा। हालांकि उन्होंने उस वक्त देश का नाम नहीं बताया था। शेख हसीना ने अपने बयान में कहा कि अगर वह देश में रुकी होतीं तो और ज्यादा मौतें हो जातीं। इतना ही नहीं, प्रदर्शन भी काफी उग्र होता और इससे नुकसान भी काफी होता। उन्होंने बांग्लादेशवासियों से कहा कि मैं आपकी लीडर बनी, क्योंकि आपने मुझे चुना था। बता दें कि शेख हसीना के इस्तीफे के बाद बांग्लादेश में 300 से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं। इसके चलते अभी तक वहां पर मरने वालों की संख्या बढ़कर 560 हो चुकी है। हसीना ने कहा कि उनके शब्दों का गलत इस्तेमाल करके छात्रों को भड़काया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि मैंने कभी भी प्रदर्शनकारी छात्रों को रजाकर कहकर नहीं बुलाया। हसीना ने कहा कि किस तरह से साजिश की गई है, इसको देखना है तो आप मेरे भाषण का पूरा वीडियो देखिए।

हरियाणा: जमीन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जानकारी के अनुसार रानियां में श्री जीवननगर नामधारी धाम स्थित है। नामधारी सिख समुदाय के दो धाम हैं, एक धाम श्री भैणी साहिब लुधियाना में है, जिसे सतगुरु उदय सिंह संभालते हैं। दूसरा धाम सिरसा के रानियां में है, जिसे ठाकुर दलीप सिंह संभालते हैं। रविवार को सतगुरु उदय सिंह के अनुयायी डेरा जीवन नगर से सटी 12 एकड़ जमीन पर कब्जा करने की नीयत से आए थे। जमीन श्री जीवन नगर नामधारी धाम से सटी है। कब्जा लेने की कोशिश का पता चलते ही दूसरा पक्ष वहां पहुंच गया, जिसके बाद दोनों पक्षों में जमकर झगड़ा शुरू हो गया। सतगुरु उदय सिंह के 250 अनुयायियों ने डेरे पर हमला कर दिया। दोनों तरफ से हथियार निकल गए और ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू हो गई। इस घटना में 6 लोगों को गोलियां लगी हैं।

वहीं खूनी झड़प की जानकारी मिलने के बाद जब पुलिस घटनास्थल पर पहुंची तो पुलिस पर भी गोलियां चला दी गई। एसएचओ की गाड़ी पर भी गोलियां बरसाई गई और ड्राइवर बाल-बाल बच गया। पुलिस वाले किसी तरह अपनी जान बचाकर वहां से भागे। इसके बाद सिरसा के एसपी विक्रांत भूषण भारी पुलिस फोर्स लेकर मौके पर पहुंचे। पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़कर भीड़ को वहां से खदेड़ा लेकिन पुलिस को शक है कि अभी भी हथियार बंद खेतों में छुपे हुए हैं, जिन की तलाश में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

सिरसा पिछले कई दिनों से तनाव में है। हाल ही में सिरसा के जगमालवाली स्थित मस्ताना शाह बलोचिस्तान आश्रम के संत महाराज बहादुर चंद वकील साहब का एक अगस्त को निधन हो गया था। उनकी गद्दी पर दो पक्षों की दावेदारी थी और डेरा प्रमुख के अंतिम संस्कार के दौरान दो पक्षों में गोलीबारी हुई थी।

इसे देखते हुए रस्म पगड़ी के दौरान भी हिंसा की आशंका को लेकर प्रशासन ने सिरसा में इंटरनेट सेवाओं को बंद कर दिया गया था। सिरसा में इंटरनेट सेवा ठप कर दी गई थी। अब इस घटना ने सरकार और जिला प्रशासन की चिंता और बढ़ा दी है और जिले में कानून-व्यवस्था कायम रखना चुनौती बन गई है।

बाणगंगा नदी में नहाने गये सात युवकों की डूबने से मौत

बताया जा रहा है कि सभी युवक पानी में नहाने के दौरान रील बना रहे थे, सभी मृतक 14 वर्ष से 22 वर्ष आयु तक के बताए हैं

- **बयाना क्षेत्र में होकर बहने वाली इस बाणगंगा नदी में करीब तीन दशक बाद बरसाती पानी का ऐसा तेज बहाव आया है।**
- **घटना की सूचना मिलने पर एसडीआरएफ की टीम ने रैस्क्यू अभियान चलाकर बच्चों को पानी से निकलवाकर समीप के स्वास्थ्य केन्द्र झील का बाड़ा पहुंचाया।**
- **जिला कलेक्टर डॉ. अमित यादव ने मौके पर जाकर स्थिति का जायजा लिया तथा परिजनों से मिलकर नियमानुसार सहायता दिलाने का भरोसा दिलाया।**

भरतपुर, 11 अगस्त (निसं)। जिले के बयाना उपखण्ड के पिदावली ग्राम के पास बाणगंगा नदी में वर्षा के पानी में नहाने के लिए गये श्रीनगर गांव निवासी सात बच्चों की डूब जाने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि सभी युवक पानी में नहाने के दौरान रील बना रहे थे। सभी मृतक 14 वर्ष से 22 वर्ष आयु तक के बताए हैं। जानकारी के अनुसार, बयाना क्षेत्र में होकर बहने वाली इस बाणगंगा नदी में करीब तीन दशक बाद बरसाती पानी का ऐसा बहाव आया है। इस समय इस नदी में तीन से चार फीट पानी का जल स्तर बताया है किंतु इस नदी में कई जगह खनन माफियाओं की ओर से बड़े पैमाने पर मिट्टी का अवैध खनन किए जाने से गहरे गहरे गड्ढे हो गए हैं जिनमें काफी गहरा पानी भर जाने से और ऐसे गड्ढे में ही यह बच्चे डूब जाने से यह हादसा हुआ बताया है। इस घटना के बाद गांव में हाहाकार मच गया। कई दशकों बाद बयाना क्षेत्र में बाण गंगा नदी में पानी आया था। इस घटना की सूचना मिलने पर प्रशासन द्वारा त्वरित टीम भेजी गई। एस.डी.आर.एफ. की टीम ने रैस्क्यू अभियान चलाकर बच्चों को पानी से निकलवाकर समीप के स्वास्थ्य केन्द्र झील का बाड़ा पहुंचाया गया, जहां जिला कलेक्टर डॉ. अमित यादव ने मौके पर जाकर स्थिति का जायजा लिया तथा परिजनों से मिलकर नियमानुसार सहायता दिलाने का भरोसा दिलाया।

बयाना उपखण्ड के पिदावली गांव के पास बाणगंगा नदी में बने गड्ढे में नहाने गये बच्चों के डूबने की सूचना मिलने पर प्रशासन द्वारा एस.डी.आर.एफ. टीम भेजकर रैस्क्यू किया गया जिनमें से तीन बच्चों को झील का बाड़ा लेकर गये तथा चार बच्चों को भरतपुर आर.बी.एम. अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने सातों को मृत घोषित कर दिया। जिला कलेक्टर के निर्देश पर उपखण्ड प्रशासन द्वारा नियमानुसार सहायता प्रस्ताव तैयार कर राज्य सरकार को भिजवाया गया है। उपखण्ड अधिकारी बयाना ने बताया कि ग्राम श्रीनगर निवासी पवन (20) पुत्र उदय सिंह जाटव, सौरभ (14) पुत्र तानसिंह जाटव, भूपेन्द्र (18) पुत्र दशरथ जाटव, शांतनु (18) पुत्र खैमसिंह उर्फ खेमचन्द जाटव, लक्खी (20) पुत्र प्रीतम सिंह जाटव, पवन (22) पुत्र शुगर सिंह जाटव की डूबने से मौत हुई है।

मोदी ने ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की और कहा कि आम जनता का जैविक कृषि पर भरोसा बढ रहा है। उन्होंने कहा कि लोग जैविक खाद्य पदार्थों का उपभोग कर रहे हैं और इनकी मांग करते है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्रों को नई किस्मों के बारे में किसानों को जानकारी देने के लिए सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। मोदी ने नई फसल किस्म विकसित करने के लिए वैज्ञानिकों की सराहना की।

कार्यक्रम में शामिल किसानों ने कहा कि नई किस्मों से उनके खर्चों में कमी आएगी और पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव पडेगा। किसानों ने प्राकृतिक कृषि को बढावा देने के लिए सरकार के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र की जागरूकता बढाने में महत्वपूर्ण भूमिका है। वैज्ञानिकों ने बताया कि वे प्रधानमंत्री के सुझावों के अनुरूप काम कर रहे है।

बाद में केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने संवाददाताओं से कहा कि आज किसानों के लिए ऐतिहासिक दिन है जब 61 फसलों की 109 किस्में जारी की गई हैं। उन्होंने कहा कि इनसे किसानों की आय बढेगी, पैदावार में इजाफा होगा और लागत घटेगी। चौहान ने कहा कि इन फसलों के बीज जलवायु अनुकूल है और खराब मौसम में भी बेहतर पैदावार दे सकते हैं। उन्होंने बताया कि ये किस्में पोषक तत्वों से भरपूर हैं।

'हिन्दुओं को खत्म करने साजिश हो रही है'

आर.एस.एस. के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ हो रही हिंसा पर बड़ा बयान दिया

- **होसबाले ने कहा कि दुनिया के कई स्थानों पर हिंदुओं के मानवाधिकार चिंताजनक स्तर पर पहुंच गए हैं और इस संबंध में आवाज उठानी होगी।**
- **होसबाले ने दावा किया, हिंदू किसी के खिलाफ नहीं, बल्कि खुद की सुरक्षा के लिए एकजुट हो रहे हैं।**
- **गौरतलब है कि बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर हिंसा हुई है, जिसमें मुख्यतः हिंदुओं को निशाना बनाया गया।**

नई दिल्ली, 11 अगस्त। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने बांग्लादेश में हिंसा पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने रविवार को दावा किया कि विभिन्न देशों से हिंदुओं का सफाया करने की कोशिशें की जा रही हैं। उन्होंने हिंसाग्रस्त बांग्लादेश में हिंदुओं, बौद्धों और अन्य अल्पसंख्यकों की रक्षा करने की जरूरत पर जोर दिया। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के क्षेत्रीय कार्यालय धर्मश्री भवन का आज उद्घाटन हुआ।

इस अवसर पर होसबाले ने कहा कि दुनिया के कई स्थानों पर हिंदुओं के मानवाधिकार चिंताजनक स्तर पर पहुंच गए हैं और इस संबंध में आवाज उठानी होगी।

आरएसएस के दूसरे नंबर के नेता ने दावा किया कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में हिंदू जिस देश में रहते हैं, उसके विकास में योगदान दे रहे हैं। वे नियमों और विनियमों का पालन करते हैं। साथ ही, शांति से रहते हैं जो कि गर्व की बात है। होसबाले ने कहा, 'फिर भी, विभिन्न देशों से हिंदुओं का सफाया करने की कोशिशें हो रही हैं। हम देख रहे हैं कि बांग्लादेश में क्या हो रहा है। भारत सरकार अपनी तरफ से कोशिश कर रही है।'

आरएसएस नेता ने कहा, 'बांग्लादेश में हिंदुओं, बौद्धों और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा की जानी चाहिए। हमें अपनी आवाज उठानी होगी। कई देशों में हिंदुओं के मानवाधिकार चिंताजनक स्तर पर पहुंच गए हैं।' उन्होंने दावा किया कि हिंदू किसी के खिलाफ नहीं, बल्कि खुद की सुरक्षा के लिए एकजुट हो रहे हैं।

सभा को संबोधित करते हुए विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने भी बड़ी बात कही। उन्होंने चारों दिशाओं में शत्रुतापूर्ण पड़ोसियों के कारण भारत के समक्ष उत्पन्न चुनौतियों को रेखांकित किया और हिंदू एकता पर जोर दिया।

अडानी के शेयरों के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

घोटाले में जेपीसी जांच नहीं होगी, तब तक मोदी जी अपने मित्र की मदद करते रहेंगे और देश की संवैधानिक संस्थाएं तार-तार होती रहेंगी।"

हिंडनबर्ग रिसर्च ने शनिवार को आरोप लगाया कि सेबी की अध्यक्ष बुच और उनके पति के पास कथित अडानी धन हेरापेरी घोटाले में इस्तेमाल किए गए अस्पष्ट 'विदेशी फंड' में हिस्सेदारी थी। हिंडनबर्ग ने अडानी पर अपनी पिछली रिपोर्ट के 18 महीने बाद एक 'ब्लॉगपोस्ट' में कहा, सेबी ने अडानी के मॉरीशस और विदेश स्थित इकाइयों के कथित अघोषित जाल में आश्चर्यजनक रूप से रुचि नहीं दिखाई है।

सेबी प्रमुख बुच और उनके पति ने एक संयुक्त बयान जारी कर हिंडनबर्ग के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे पूरी तरह से बेबुनियाद बताया है। उन्होंने कहा कि उनकी वित्तीय स्थिति (विनिमय) एक खुली किताब की तरह है। वहीं अडानी समूह ने रविवार को कहा कि हिंडनबर्ग के नए आरोप सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचनाओं का दुर्भावनापूर्ण, शरारती और छेड़छाड़ करने वाला चयन है तथा उसका बाजार नियामक सेबी की अध्यक्ष या उनके पति के साथ कोई वाणिज्यिक संबंध नहीं है।

कानोता...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गहराई करीब 17 फीट है। ऐसे में जरा सी लापरवाही लोगों की जान मुसीबत में डाल सकती है।

खेतड़ी : महाराणा माता मंदिर के पास बने तालाब में नहाने उतरे तीन युवक डूबे

सांवलोद के रहने वाले तीनों युवक की मौत हुई

- **तालाब बीते कई महीनों से खाली था लेकिन बीते कई दिनों से हो रही बारिश के कारण तालाब में पानी की अच्छी आवक हो चुकी है।**

खेतड़ी, 11 अगस्त (निसं)। सिंघाना थाना क्षेत्र के महाराणा गांव में माता के मंदिर के पास बने तालाब में डूबने से रविवार शाम को तीन युवकों की मौत हो गई। तीनों मृतक महाराणा के पड़ोसी गांव सांवलोद के रहने वाले थे, जो नहाने के लिए महाराणा माता मंदिर के पास बने तालाब पर आए थे।

घटना शाम करीब साढ़े चार बजे की बताई जा रही है। युवकों के डूबने पर वहां नहा रहे अन्य लोगों ने पुलिस को सूचना दी तो सिंघाना पुलिस मौके पर पहुंची तथा ग्रामीणों की मदद से तीनों युवकों को तालाब से बाहर निकाला गया है। थानाधिकारी कैलाश चंद यादव ने बताया कि महाराणा माता मंदिर के पास बने तालाब में तीन युवकों के डूब जाने की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे। अभी दो युवकों के शव को निकाल लिया गया है तथा एक युवक की तलाश की जा रही है। तीनों युवक सांवलोद के रहने वाले होने की जानकारी सामने आई है। परिजनों के बारे में जानकारी जुटाकर युवकों की जानकारी जुटाई जा रही है। महाराणा की पहाड़ी पर ऐतिहासिक माता का मंदिर बना हुआ है। इसके अलावा मंदिर में सीढ़ी चढ़ने से पहले बने मुख्य द्वार के पास तालाब बना हुआ है। तालाब पिछले काफी दिनों से खाली था लेकिन क्षेत्र में पिछले दो दिनों से हो रही बरसात से तालाब पानी से भर गया है। तीनों युवक अपने गांव से महाराणा माता के मंदिर में आए थे।

इस दौरान तालाब में पानी देख नहाने के लिए उतर गए। इस दौरान पानी में डूबने से तीनों की मौत हो गई है। घटना की सूचना पर प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे तथा घटना की जानकारी जुटाई जा रही हैं। थानाधिकारी ने बताया कि तीनों मृतकों की पहचान अनूज पुत्र दलीप नेहरा, बुलकेश पुत्र यादराम तथा अनूज पुत्र पूर्णमल के रूप में हुई है। तीनों मृतकों के शव को खेतड़ीनगर के के.सी.सी. अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है, जहां सुबह परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम करवाया जाएगा।

मृतक अनूज का पिता पूर्णमल मजदूरी करता है, बड़ा भाई विनोद गाड़ी ड्राइवर है, दूसरे नंबर के भाई की चार साल पहले मृत्यु हो गई थी, मृतक अनुज तीन भाइयों में सबसे छोटा था। दो बड़ी बहनें शादीशुदा हैं।

अनुज पुत्र दलीप नेहरा अपने माता-पिता के इकलौता बेटा था। वह बीए प्रथम वर्ष में बुहाना के राजकीय कालेज में पढ़ाई कर रहा था। बुलकेश पुत्र यादराम तीन भाईयों में सबसे छोटा था। बड़ा भाई पहाड़ी में मजदूरी करता है। दूसरे नंबर का पढ़ाई तथा तीसरे नंबर का बुलकेश बारहवीं पास कर कालेज में एडमिशन लेने वाला था। मृतक का पिता यादराम भी मजदूरी करता है।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908